हम हैं सूरज-चाँद-सितारे

(कविता)

6

हम हैं सूरज-चाँद-सितारे,
हम नन्हे-नन्हे बालक हैं।
जैसे नन्हे-नन्हे रजकण,
लेकिन हम नन्हे रजकण ही
हैं विशाल पर्वत बन जाते।
है हम बच्चों की दुनिया ही,
एक अजीब-गरीब निराली।
हम सूरत-मूरत मंदिर की,
हर सूरत है भोली-भाली।
यहाँ न कोई भेद रंग का,
सबके सब हम एक रंग हैं।
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण,
सभी दिशाएँ एक रंग हैं।
पृथ्वी माँ के राज-दुलारे,
हम हैं सूरज-चाँद-सितारे।

एक धरा की ही गोदी में,
सारे बच्चे बड़े हुए हम।
एक हमारी आसमान छत,
एक हमारी साँस पवन है।
धूप-चाँदनी के कपड़ों से,
ढका हुआ हम सबका तन है।
हम हैं एक विश्व के तारे,
हम हैं सूरज-चाँद-सितारे।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत पाठ में कवि द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी बच्चों को सूरज-चाँद और सितारों की तरह मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा देते हैं। हम सूरज, चाँद और सितारे छोटे-से बच्चे हैं। हम छोटे-छोटे धूल के कण हैं। लेकिन हम छोटे-छोटे धूल के कण ही बड़े-बड़े पहाड़ बनते हैं। हम बच्चों की दुनिया अजीबों-गरीब निराली है। हमारी सूरत और मूरत मंदिर की तरह भोली-भाली है। यहाँ सब एक रंग के हैं। कोई रंग-भेद नहीं है। सारी दिशाएँ : पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण एक ही रंग की एक समान हैं। हम सूरज चाँद और सितारे अपनी माँ धरती (पृथ्वी) के राज दुलारे हैं। धरती की गोद मे ही रहकर हम सभी बच्चे बड़े हुए हैं।

शब्द-भंडार

नन्हे — छोटे *(little)*,
रजकण — धूल के कण *(mote)*,
विशाल — बड़ा *(immense)*,
पर्वत — पहाड़ *(mountain)*,
निराली — अनोखी *(different)*,
सूरत — शक्ल *(face)*,
भेद — अंतर *(difference)*,
संग — साथ *(with)*,
धरा – धरती *(earth)*,
पवन — हवा *(air)*,
तन — शरीर *(body)*,
विश्व – संसार *(world)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

रजकण	विशाल	पर्वत	दुनिया	अजीब	गरीब	मूरत
पश्चिम	उत्तर	दक्षिण	पृथ्वी	आसमान	साँस	चाँदनी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) यह कविता किसके बारे में है?

(ख) नन्हे रजकण क्या बन जाते हैं?

(ग) कौन पृथ्वी माँ के राजदुलारे हैं?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) कौन पृथ्वी माँ के राज दुलारे है?

☐ सूरत-सूरत ☐ सूरज-चाँद-सितारे ☐ आसमान

(ख) दिशाएँ कितनी होती हैं?

☐ 4 ☐ 5 ☐ 3

(ग) इस कविता के कवि कौन है?

☐ द्वारिका प्रसाद ☐ डॉ० मधुपत ☐ डॉ. श्री प्रसाद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) एक हमारी आसमान छत,
एक हमारी साँस पवन है।
–इन पंक्तियों के द्वारा बच्चे क्या कहना चाहते हैं?

.....

.....

(ख) चारों दिशाओं के नाम लिखिए।

.....

.....

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

पूरब–पश्चिम .....
..... एक संग हैं।
पृथ्वी .....
हम हैं .....।

भाषा-ज्ञान

1. जो शब्द एक दूसरे के समान अर्थ बताते हैं, उन्हें पर्यायवाची या समान अर्थवाले शब्द कहते हैं।

- नीचे दिए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

(क) सूरज — ....

(ख) चाँद — ....

(ग) पर्वत — ....

(घ) आसमान — ....

2. नीचे दी गई पंक्तियों को पढ़िए और सही उत्तर चुनकर (✓) का निशान लगाइए–

धूप-चाँदनी के कपड़ों से
ढका हुआ हम सबका तन है।
हम हैं एक विश्व के तारे
हम हैं सूरज-चाँद-सितारे।

(क) किसके कपड़ों से सबका तन ढका है?

☐ रेशम के ☐ तारों के ☐ धूप-चाँदनी के

(ख) 'तन' से मिलता-जुलता तुकवाला शब्द कौन-सा है?

☐ तम ☐ धन ☐ हम

(ग) 'विश्व' का समानार्थी शब्द कौन-सा है?

☐ क्षेत्र ☐ राज्य ☐ दुनिया

3. जो शब्द समान तुकवाले नहीं हैं, उन पर (✓) लगाइए–

(क)	बालक	–	☐ पालक	☐ चालक	☐ विशाल
(ख)	संग	–	☐ विश्व	☐ ढंग	☐ रंग
(ग)	पवन	–	☐ सागर	☐ धवन	☐ हवन
(घ)	तन	–	☐ मन	☐ नन्हे	☐ धन

क्रियात्मक गतिविधि

- प्रकृति की वे कौन-कौन सी देनें है, जो सबकी सहायता बिना भेदभाव के करती हैं? कविता में से ढूँढिए और चित्र बनाइए।